श्री कलराज मिश्र

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति,
राजस्थान का उद्‌बोधन

बदलते ग्रामीण परिवेश में कृषि विकास का समग्र दृष्टिकोण

दिनांक – 15 नवम्बर, 2019 **समय दोपहर : 12.15 बजे**

विश्वविद्यालय परिसर , बीकानेर

राजस्थान की इस मरू भूमि पर, स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के प्रांगण में, भारतीय कृषि विस्तार शिक्षा समिति की तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह में, अपने को भारत के विभिन्न क्षेत्रों से आये कृषि वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, प्रगतिशील किसानों व अन्य अंशधारकों के बीच मैं हर्ष का अनुभव कर रहा हूँ।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आर.पी. सिंह ने जब यहाँ पधारने का आग्रह किया तो हां भरने में जरा भी वक्त नहीं लगा और यहाँ आकर, इस सुअवसर पर सभी से बात करके आप सभी के कार्यकलापों व उपलब्धियों के बारे में जान सका। कुलाधिपति होने के नाते विश्वविद्यालय को जानने का यह एक अच्छा अवसर है। यह संगोष्ठी महत्वपूर्ण विषय पर आयोजित की जा रही है जो कि कृषि के समग्र विकास पर समग्र दृष्टिकोण से अवलोकन की आवश्यकता को समझते हुए रखी गयी है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि यह संगोष्ठी हमारे देश के उस भाग में आयोजित की जा रही है, जो अगली कृषि क्रांति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है क्योंकि यहाँ कृषि में अभी भी बहुत कुछ करने की सम्भावना है।

यह बात हम सभी को विदित है कि भारत एक कृषि प्रधान देश है व कृषि पर प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से करीब 70 प्रतिशत आबादी निर्भर करती है। अतः इस सशक्त क्षेत्र के विकास के लिए व अन्ततः देश के विकास के लिए हम सभी को मिल कर विशेष प्रयास करने की आवश्यकता है। आप सभी वैज्ञानिकों को कृषकों के लिए लाभकारी तकनीकों का विकास व प्रचार करने के लिए सकारात्मक व प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। इसमें कोई शक नहीं कि हमारे देश को खाद्यान्न आयातक से आत्मनिर्भर से लेकर खाद्यान्न निर्यातक तक बनाने में कृषि वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कार्यकर्ताओं व कृषकों ने महत्ती भूमिका निभाई है।

बढ़ती जनसंख्या, बदलती जलवायु का नकारात्मक प्रभाव व संसाधनों की कमी को देखते हुए नये अनुसंधानों व अन्य सभी अंशधारकों के समन्वित प्रयासों से एक नयी कृषि क्रांति लाने की आवश्यकता है ।

केन्द्र सरकार द्वारा कृषकों की आय 2022 तक दोगुना करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए चौतरफा सराहनीय प्रयास हो रहे हैं। केन्द्र व राज्य सरकारें कई योजनाओं पर कार्य कर रही हैं व कृषकों तक उच्च गुणवत्ता के बीज पहुँचाने से लेकर उनकी उपज को उत्तम विपणन व्यवस्था व उचित दाम दिलवाने तक, समग्र श्रंखला के विभिन्न स्तरों पर कार्य किया जा रहा है।

कृषि क्षेत्र से जुड़ी संस्थाएं व सरकारी तंत्र जल बचत व इससे जुड़ी योजनाएं जैसे Per Drop More Crop व प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पर कार्य कर रहे है।

दूसरी तरफ हमारे देश के कृषक भी नवीन तकनीक अपनाने की तरफ कदम बढा कर देश को उन्नति व देश का सम्मान बढाने में अपनी सहभागिता निभा रहे हैं।

जिस प्रकार कृषि कार्यों के लिए श्रम बल घट रहा है, मशीनीकरण की आवश्यकता बढ़ रही है। आज हमारा देश ट्रैक्टर इंडस्ट्री में विश्व में अग्रणी है और यह मशीनीकरण व्यवसाय इस स्तर पर कार्य कर रहा है कि कई नये कृषि उपकरणों का उत्पादन व प्रयोग खेती में बढ़ रहा है। उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद व टिकाऊ कृषि को बल देते हुए कृषि मानकों व कार्बनिक खेती पर भी कार्य चल रहा है ।

चूँकि देश की 80 प्रतिशत से अधिक जोतें सीमान्त व लघु हैं, कृषि के हर क्षेत्र में सहयोग व सहकारिता के सिद्धान्त पर कार्य करने की आवश्यकता है। सरकार भी इस प्रतियोगी युग में कम लागत, अच्छी तकनीकों व उचित मूल्य की महत्वता को समझते हुए बड़े पैमाने की किफायत का महत्व व समझ कृषकों तक पहुँचाने में कार्यरत है।

यही उपाय है जो कृषकों की आय को दोगुना करने में सबसे अधिक योगदान दे सकता हैं। सरकार लघु कृषक कृषि व्यापार संघ व नाबार्ड के द्वारा कृषक उत्पाद संगठनों पर बड़े पैमाने पर कार्य कर रही है ।

आज हम सभी को मिलकर इस प्रकार की रणनीतियाँ बनाने व उसके सफल क्रियान्वयन पर कार्य करना है । देश के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे कृषि के अंशधारक जब अपने अपने क्षेत्र की समस्याओं, प्रयासों व निराकरण पर चर्चा करेंगे तो निस्संदेह प्रभावकारी उपाय सामने आयेंगे व एक दूसर से काफी सीखने को भी मिलेगा।

कृषि अर्थव्यवस्था देश की रीढ़ की हड्डी की तरह पूरे तंत्र को मजबूती देती है। जब इस क्षेत्र में अच्छा कार्य होगा तो करीब 70 प्रतिशत आबादी जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि आधारित है, को संतोष, खुशी, स्वास्थ्य, शिक्षा व धनधान्य प्राप्त होगा तथा नकारात्मकता कम होगी व एक

अच्छे व स्वस्थ समाज का निर्माण होगा इसलिए आप सभी का योगदान अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि इस तीन दिवसीय संगोष्ठी के महत्वपूर्ण व प्रभावी परिणाम निकलेंगे।

मैं यहाँ पधारे विशिष्ट अतिथियों, विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों छात्र व छात्राओं और सबसे महत्वपूर्ण सभी क्षेत्रों से पधारे प्रतिभागियों के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

धन्यवाद। जय हिन्द।